भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर
**Indian Institute of Technology Bhubaneswar**

# प्रेस विज्ञप्ति

### आईआईटी भुवनेश्वर में सतत वित्त पर पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

### विशेषज्ञों ने व्यवसायों को समर्थन देने और हितधारकों को मजबूत करने के लिए सतत वित्तीय प्रथाओं पर जोर दिया

**भुवनेश्वर, 6 दिसंबर 2024:** भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भुवनेश्वर सतत वित्त: एक जिम्मेदार भविष्य के लिए नवाचार और रणनीतियाँ पर पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित कर रहा है, जिसका उद्घाटन 6 दिसंबर 2024 को हुआ था। तीन दिवसीय सम्मेलन का आयोजन स्कूल द्वारा किया जा रहा है। संस्थान के मानविकी, सामाजिक विज्ञान और प्रबंधन विभाग, भारत के नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के सहयोग से और भारत के वित्तीय योजना मानक बोर्ड (एफपीएसबी) द्वारा समर्थित और राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड)। उद्घाटन सत्र के दौरान, वित्त क्षेत्र के विशेषज्ञों ने व्यावसायिक संगठनों को समर्थन और सुरक्षा प्रदान करने और आम जनता सहित हितधारकों को मजबूत करने के लिए स्थायी वित्तीय प्रथाओं और उनके कार्यान्वयन के महत्व पर जोर दिया।

सम्मेलन का उद्देश्य जलवायु परिवर्तन, संसाधनों की कमी और सामाजिक असमानता जैसी गंभीर वैश्विक चुनौतियों का समाधान करना है और यह पता लगाना है कि वित्त कैसे टिकाऊ और समावेशी विकास के लिए एक उपकरण बन सकता है।

प्रारंभ में, आईआईटी भुवनेश्वर में सम्मेलन के संयोजक डॉ. नरेश चंद्र साहू ने कार्यक्रम के उद्देश्यों को स्पष्ट किया, वित्तीय असमानता को खत्म करने के लिए वित्तीय साक्षरता और व्यक्तिगत वित्तीय शिक्षा के प्रसार की आवश्यकता पर जोर दिया, जिससे एक स्थायी आर्थिक भविष्य को बढ़ावा दिया जा सके। इसके बाद, उन्होंने दावा किया कि एनएसई और आईआईटी भुवनेश्वर सबसे अनुकरणीय विद्वतापूर्ण प्रस्तुतियों के लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार प्रदान करेंगे। उन्होंने आईआईटी भुवनेश्वर और एफपीएसबी इंडिया के बीच आगामी सहयोग की भी घोषणा की। आईआईटी भुवनेश्वर के मानविकी, सामाजिक विज्ञान और प्रबंधन स्कूल के प्रमुख डॉ. दुखबंधु साहू ने विशेषज्ञों और प्रतिभागियों का स्वागत किया।

अपने संबोधन में प्रोफेसर श्रीपाद कर्मलकर ने उल्लेख किया कि हाल के वर्षों में आईआईटी शिक्षा प्रणाली में मानविकी और सामाजिक विज्ञान से संबंधित अध्ययन का महत्व बढ़ गया है, जिसने उद्यमिता के लिए एक नया परिदृश्य और एक पारिस्थितिकी तंत्र तैयार किया है। उन्होंने बताया कि आईआईटी भुवनेश्वर ने अनुसंधान और उद्यमिता का परिचय ' पर एक पाठ्यक्रम शुरू किया है, जो छात्रों को उद्यमी बनने के लिए प्रेरित करेगा। सतत वित्त पर वित्तीय शिक्षा और ज्ञान इन छात्रों को

उद्यमिता के जोखिमों और अवसरों के बारे में अंतर्दृष्टि प्राप्त करने और उनके प्रयास की तैयारी में मदद करेगा।

अपने विचार-विमर्श में, मुख्य वक्ता डॉ. मधुसूदन साहू, पूर्व आईबीबीआई अध्यक्ष और पूर्णकालिक सदस्य, सेबी ने एक व्यावसायिक संगठन के जीवनकाल को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों पर बात की। उन्होंने कंपनियों और हितधारकों के हितों की सुरक्षा में कॉर्पोरेट प्रशासन की भूमिका का उल्लेख किया; कॉर्पोरेट क्षेत्र में अनुचित लड़ाई के खिलाफ लड़ने के लिए कानून का शासन और विकास दर को बढ़ावा देने के लिए प्रतिस्पर्धा और नवाचार। उन्होंने एक कमज़ोर संगठन के लिए 'बाहर निकलने की आज़ादी' की भी बात कही। टिकाऊ वित्त को बढ़ावा देने के उपाय के रूप में, डॉ. साहू ने वित्तीय क्षेत्र में 'स्वच्छता अभियान' जैसे उपायों के बारे में विस्तार से बताया।

सम्मानित अतिथि श्री कृष्णन मिश्रा, सीईओ, एफपीएसबी इंडिया ने वित्तीय स्थिरता में 'लोग, ग्रह और लाभ' के महत्व पर बात की। उन्होंने उल्लेख किया कि वित्तीय प्रथाएं जोखिम प्रबंधन से मूल्य निर्माण से स्थिरता और सतत रिपोर्टिंग की ओर बढ़ गई हैं, जिसे विभिन्न संगठनों द्वारा अपनाने की आवश्यकता है। इसे सुनिश्चित करने के लिए उन्होंने 'बॉटम-अप अप्रोच' का सुझाव दिया, जिसमें आम जनसमूह के लोगों को शामिल किया जाए। उन्होंने देश को वित्तीय रूप से टिकाऊ बनाने के लिए वित्तीय शिक्षा के महत्व पर भी जोर दिया।

इस अवसर पर बोलते हुए, मुख्य अतिथि श्री सुधांशु मिश्रा, मुख्य महाप्रबंधक, नाबार्ड ने इस संबंध में नाबार्ड की विभिन्न पहलों का हवाला देते हुए देश में वित्तीय स्थिरता प्राप्त करने में विभिन्न लाभार्थियों और महिलाओं द्वारा निभाई जा रही महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने अनौपचारिक क्षेत्र सहित जमीनी स्तर पर स्थायी वित्तीय नीतियों के कार्यान्वयन पर जोर दिया और नवीन समाधानों के लिए उद्योग-अकादमिक सहयोग के लिए भी कहा।

सम्मेलन के सह-संयोजक डॉ. निहार रंजन जेना ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया। इस अवसर पर, सहयोग के लिए आईआईटी भुवनेश्वर रिसर्च एंड एंटरप्रेन्योरशिप पार्क (आईआईटीबीबीएस आरईपी) और एफपीएसबी इंडिया के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। आईटीबीबीएस आरईपी के सीईओ और स्वतंत्र निदेशक डॉ. शुभंकर पति और एफपीएसबी इंडिया के सीईओ श्री कृष्णन मिश्रा ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

तीन दिवसीय सम्मेलन के दौरान, प्रतिभागी सतत वित्त से संबंधित विभिन्न विषयों पर तकनीकी पेपर प्रस्तुत करेंगे और विषय के विभिन्न पहलुओं और भविष्य की संभावनाओं पर गहराई से विचार करेंगे। अंतिम दिन, जगन्नाथ मंदिर, पुरी और कोणार्क मंदिरों सहित प्रसिद्ध विरासत स्थलों का दौरा किया जाएगा।

---